सामाजिक विज्ञान

(इतिहास)

अध्याय-10: स्वतंत्रता के बाद

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

15 अगस्त 1947 में भारत आज़ाद हुआ तो उसके सामने कई बड़ी चुनौतियाँ थी।

पहली :- एकता और अखंडता की चुनौती थी । क्योंकि भारत में बहुत सारे धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के लोग रहते हैं ।

दूसरी :- लोकतंत्र स्थापित करना और चुनाव करवाना।

तीसरी :- विकास जिससे समूचे समाज का भला हो।

शरणार्थी :- बंटवारे की वजह से 80 लाख शरणार्थी पाकिस्तान से भारत आए। इन लोगों के रहने का इंतजाम करना और उन्हें रोजगार देना।

राजवाड़े :- ब्रिटिश इंडिया के एक हिस्से में देशी रजवाड़े का शासन था। 500 रियासतें राजाओं या नवाबों का शासन चल रहा था।

नए संविधान की रचना :- संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई और 1947 में विभाजन के बाद 299 सदस्य रह गए। 26 नवंबर 1949 में संविधान बनकर तैयार हो गया । 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ।

भारतीय संविधान की खासियत

सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार :- 21 साल से ज्यादा उम्र के सभी भारतीयों को प्रांतीय और राष्ट्रीय चुनावों में वोट देने का अधिकार था।

मौलिक अधिकार :- सभी जातियों, धर्मो या किसी भी तरह की पृष्ठभूमि से संबंध रखने वाले नागरिकों को सम्मान अधिकार दिए गए।

धर्मनिरपेक्षता :- सभी को अपने धार्मिक विश्वासों एवं मान्यताओं को पूरी आज़ादी से मानने की छूट देता है।

मुसलमान, सिख, ईसाई, पारसी, जैन तथा अन्य धर्मों के लोग भी थे।

आरक्षण :- जनजातियों को आरक्षण दिया गया । अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

शक्तियों का विभाजन :- संविधान सभा के सदस्यों ने केंद्र और राज्य सरकारों की शक्तियों और अधिकारों का विभाजन। संघ सूची, राज्य सूची, समवर्ती सूची।

मतभेद को दूर करने के लिए संविधान में विभिन्न विषयों को तीन सूचियों में बाँट दिया गया

संघ सूची 97 :- केंद्र सरकार पूरे देश के लिए नीति, नियम, कानून, योजना बनायेगी। रक्षा, मुद्रा, बैंकिंग, विदेशी मामले आदि।

राज्य सूची 66 :- राज्य सरकार :- ज्यादा स्वायत्तता और आजादी मिलनी चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य,वाणिज्य, पुलिस आदि ।

समवर्ती सूची 47 :- केंद्र और राज्य सरकारे, दोनों संयुक्त रूप से फैसला ले सकते थे। वन, कृषि, शिक्षा, गोद लेना आदि।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

राज्यों के पुनर्गठन :- राज्यों की सीमाओं का निर्धारण वहाँ बोली जाने भाषा के आधार पर होनी चाहिए ।

राजभाषा :- हिंदी को "राजभाषा " का दर्जा दिया। जबकि अदालतों, सेवाओं, विभिन्न राज्य के बीच संचार आदि के लिए अंग्रेजी के इस्तेमाल का फैसला लिया गया।

विकास की योजनाएँ :- भारत और भारतीयों को गरीबी से मुक्त कराने और आधुनिक तकनीकी एवं औद्योगिक आधार निर्मित करना नए भारत का एक बड़ा लक्ष्य था।

योजना आयोग :- 1950 में सरकार आर्थिक विकास के लिए नीतियाँ बनाने और उनको लागू करने के लिए एक " मिश्रित अर्थव्यवस्था " लागू की ।

पहली पंचवर्षीय योजना :- (1951-56)कृषि क्षेत्र पर विशेष ज़ोर दिया गया क्योंकि उस दौरान खाद्यान्न की कमी गंभीर चिंता का विषय थी।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना :- (1956-61) औद्योगिक उत्पादों के घरेलू उत्पादन को द्वितीय योजना में प्रोत्साहित किया गया था।

1959 में भिलाई में स्थित इस्पात कारखाने की स्थापना तत्कालीन सोवियत संघ की सहायता से की गई थी।

शासन व्यवस्था :- लोकतांत्रिक

आर्थिक विकास :- मिश्रित अर्थव्यवस्था

विदेश नीति :- गुटनिरपेक्ष

शासन :- केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय सरकार

संस्थाओं का विभाजन :- विधायिका, कार्यपालिक, न्यापालिका

15 अगस्त 2021 को हम सब एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाएँगे।

अब तक 16 लोकसभा चुनाव हो चुके हैं ।

भारत राज्यों का एक संघ है। इसमें 28 राज्य और 8 केन्द्र शासित प्रदेश हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

संविधान में कुल 22 भाग और 12 अनुसूचियां है | संविधान में संवैधानिक संशोधनों के पश्चात अनुसूचियों की संख्या 8 से बढ़कर 12 हो गई है। 126 बार संशोधन हो चुके है।

SHIVOM CLASSES
8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 140)

प्रश्न 1 नवस्वाधीन भारत के सामने कौन सी तीन समस्याएँ थी ?

उत्तर – भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ। उस समय देश के सामने कई बड़ी चुनौत्तियाँ थी जो निम्नलिखित थी:-

- **शरणार्थियों की समस्या :-** देश के बँटवारे के कारण लगभग 80 लाख शरणार्थी पाकिस्तान से भारत आ गए थे। इन लोगों के लिए रहने की व्यवस्था करना और उन्हें रोज़गार देना ज़रूरी था।
- **रियासतों की समस्या :-** उस समय लगभग 500 रियासतें राजाओं या नवाबों के शासन के अधीन थीं। इन सभी को नए राष्ट्र में शामिल होने के लिए तैयार करना एक बहुत ही कठिन काम था।
- **एकता की समस्या :-** नवजात भारत राष्ट्र को एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था भी विकसित करनी थी जो यहाँ के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को अच्छी तरह व्यक्त कर सके। इसके अतिरिक्त भारत की जनसंख्या काफ़ी बड़ी थी – लगभग 34.5 करोड़। यह आबादी भी आपस में बँटी हुई थी। इसमें विभिन्न जातियों तथा धर्मों के लोग शामिल थे। यही नहीं, इस विशाल देश के लोग तरह-तरह की भाषाएँ बोलते थे। उनके पहनावों में भारी अंतर था। उनके खान–पान और काम–धंधों में भी भारी विविधता पाई जाती थी। इतनी विविधता वाले लोगों को एक राष्ट्र राज्य के रूप में संगठित करना एक बहुत बड़ी समस्या थी।

प्रश्न 2 योजना आयोग की क्या भूमिका थी ?

उत्तर – 1950 में सरकार ने आर्थिक विकास के लिए नीतियाँ बनाने और उनको लागू करने के लिए एक योजना आयोग का गठन किया। इस बारे में ज्यादातर सहमति थी कि भारत "मिश्रित अर्थव्यवस्था" के रास्ते पर चलेगा। यहाँ राज्य और निजी क्षेत्र, दोनों ही उत्पादन बढ़ाने और रोजगार पैदा करने में महत्वपूर्ण और परस्पर पूरक भूमिका अदा करेंगे। किस क्षेत्र की क्या भूमिका होगी कौन से उद्योग सरकार द्वारा और कौन से उद्योग बाजार द्वारा यानी निजी उद्योगपतियों द्वारा लगाए

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जाएँगे, विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों के बीच किस तरह का संतुलन बनाया जायेगा इन सबको परिभाषित करना योजना आयोग का काम था।

प्रश्न 3 रिक्त स्थान भरें :-

1. केंद्रीय सूची में ___ , ___ और ___ विषय रखे गए थे।
2. समवर्ती सूची में ___ और ___ विषय रखे गए थे।
3. वह आर्थिक योजना जिसमें सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों को विकास में भूमिका दी गई थी , उसे ___ मॉडल कहा जाता था।
4. ___ की मृत्यु से इतना जबरदस्त आंदोलन पैदा हुआ कि सरकार को आंध्र भाषी राज्य के गठन की मांग को मानना पड़ा।

उत्तर –

1. केंद्रीय सूची में कराधान , रक्षा और विदेशी मामले विषय रखे गए थे।
2. समवर्ती सूची में वन और कृषि विषय रखे गए थे।
3. वह आर्थिक योजना जिसमें सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों को विकास में भूमिका दी गई थी , उसे मिश्रित अर्थव्यवस्था मॉडल कहा जाता था।
4. पोट्टी श्रीरामुलु की मृत्यु से इतना जबरदस्त आंदोलन पैदा हुआ कि सरकार को आंध्र भाषी राज्य के गठन की मांग को मानना पड़ा।

प्रश्न 4 सही या गलत बताएँ:-

1. आजादी के समय ज्यादातर भारतीय गाँवों में रहते थे।
2. संविधान सभा कांग्रेस पार्टी के सदस्यों से मिलकर बनी थी।
3. पहले राष्ट्रीय चुनावों में केवल पुरुषों को हो वोट डालने का अधिकार दिया गया था।
4. दूसरी पंचवर्षीय योजना में भारी उद्योगों के विकास पर जोर दिया गया था।

उत्तर –

1. सही
2. गलत

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. गलत
4. सही

प्रश्न 5 "राजनीति में हमारे पास समानता होगी और सामाजिक व आर्थिक जीवन में हम असमानता की राह पर चलेंगे " कहने के पीछे डॉ. अंबेडकर का क्या आशय था ?

उत्तर – डॉ० अंबेडकर ने ये शब्द सभी प्रकार की असमानताओं को दूर करने के लिए कहे थे। संविधान सभा के सामने अपने अंतिम भाषण में उन्होंने कहा था कि राजनीतिक लोकतंत्र के साथ – साथ आर्थिक और सामाजिक लोकतंत्र भी जरूरी है। यदि लोगों को वोट डालने का अधिकार दे दिया जाता है तो इससे अमीर – गरीब या ऊँची और नीची जातियों का भेदभाव अपने आप समाप्त नहीं हो जाएगा। सच्चा राजनीतिक लोकतंत्र तभी स्थापित किया जा सकता है, जब देश में सामाजिक और आर्थिक समानता भी सुनिश्चित की जाए।

प्रश्न 6 स्वतंत्रता के बाद देश को भाषा के आधार पर राज्यों में बाँटने के प्रति हिचकिचाहट क्यों थी ?

उत्तर – 1920 के दशक में स्वतंत्रता संघर्ष की मुख्य पार्टी – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने आश्वासन दिया था कि स्वतंत्र भारत में प्रत्येक बड़े भाषायी समूह का अपना अलग प्रांत होगा। परंतु आज़ादी मिलने के बाद कांग्रेस ने इस दिशा में कोई पग नहीं उठाया। इसका कारण था देश का विभाजन। भारत धर्म के आधार पर दो राष्ट्रों में बँट गया था। स्वतंत्रता एक राष्ट्र को नहीं बल्कि दो राष्ट्रों को मिल रही थी। देश विभाजन के फलस्वरूप हिंदुओं और रूप में के बीच हुए भीषण दंगों में 10 लाख से भी अधिक लोग मारे गए थे। ऐसे में यह चिंता स्वाभाविक थी कि भाषा के आधार पर इस तरह के और बँटवारे झेल पायेगा। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और उप – प्रधानमंत्री वल्लभभाई पटेल, दोनों ही भाषा के आधार पर राज्यों के गठन के विरोधी थे। विभाजन के बाद नेहरू ने कहा था कि "उपद्रवकारी प्रवृत्तियाँ सिर उठा रही हैं" जिन पर अंकुश लगाने के लिए राष्ट्र को शक्तिशाली और एकजुट होना होगा। पटेल ने भी कुछ ऐसा ही कहा था :- इस समय भारत की पहली और आखिरी ज़रूरत यह है कि उसे एक राष्ट्र बनाया जाए। राष्ट्रवाद को बढ़ावा हर चीज आगे बढ़नी चाहिए और उसके रास्ते में बाधा डालने वाली हर बात को खारिज कर दिया जाना चाहिए। हमने यही कसौटी भाषायी प्रांतों के प्रश्न पर भी अपनाई है। इस कसौटी के आधार पर भाषा के आधार पर प्रांतो के गठन की माँग को समर्थन नहीं दिया जा सकता।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 7 एक कारण बताइए कि आजादी के बाद भी अंग्रेजी ज़ारी क्यों रही ?

उत्तर – संविधान निर्माण के समय संविधान सभा में भाषा के प्रश्न पर तीखी बहस हुई। बहुत से लोगों का मानना था कि अंग्रेजों के साथ अंग्रेजी भाषा को भी विदा कर देना चाहिए। उनका कहना था कि अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी को अपनाया जाए। परंतु जो लोग हिंदी भाषी नहीं थे उनकी राय अलग थी। संविधान सभा में बोलते हुए टी० टी० कृष्णमाचारी ने "दक्षिण के लोगों की ओर से चेतावनी" देते हुए कहा कि यदि उन पर हिंदी थोपी गई तो वहाँ के बहुत से लोग भारत से अलग हो जाएँगे। इस विवाद से बचने के लिए बीच का रास्ता निकाला गया। संविधान निर्माताओं ने हिंदी को भारत की "राजभाषा" का दर्जा दिया जबकि अदालतों, सेवाओं, विभिन्न राज्यों के बीच संचार आदि के लिए अंग्रेज़ी के प्रयोग का निर्णय लिया गया। इस प्रकार भारत में आजादी के बाद भी अंग्रेजी जारी रही।

प्रश्न 8 आज़ादी के बाद प्रारंभिक दशकों में भारत के आर्थिक विकास की कल्पना किस तरह की गई थी ?

उत्तर – स्वतंत्रता के समय भारत की एक विशाल संख्या गाँवों में रहती थी। आजीविका के लिए किसान औ काश्तकार वर्षा पर निर्भर रहते थे। यही स्थिति अर्थव्यवस्था के ग़ैर – कृषि क्षेत्रों की थी। यदि फसल खराब हो जाती तो बढ़ई, बुनकर और अन्य कारीगरों की आय भी संकट में पड़ जाती थी। शहरों में फैक्ट्री मज़दूर भीड़ भरी झुग्गी बस्तियों में रहते थे। इस विशाल आबादी को ग़रीबी के चंगुल से निकालने के लिए न केवल खेती की उपज बढ़ाना आवश्यक था बल्कि नए उद्योगों का निर्माण करना भी जरूरी था ताकि लोगों को रोजगार मिल सके। एकता और विकास की प्रक्रियाओं को साथ – साथ चलना था। यदि भारत के विभिन्न वर्गों के बीच मतभेदों को दूर न किया जाता तो वे हिंसक और बहुत खतरनाक टकरावों का रूप ले सकते थे। लिहाजा ऐसे टकराव देश के लिए महंगे पड़ते थे। कही ऊंची जाति और नीची जाति के बीच, कहीं हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तो कहीं किसी और वजह से तनाव की आशंका बनी हुई थी और यदि दूसरी ओर आर्थिक विकास के लाभ जनसंख्या के बड़े भाग को नहीं मिलते तो और अधिक भेदभाव पैदा हो सकता था। ऐसी स्थिति में अमीर और ग़रीब, शहर और देहात, संपन्न और पिछले इलाकों का अंतर पैदा हो सकता था।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)